GLOBAL GANDHI

www.globalgandhi.com
info@globalgandhi.com

प्रेस विज्ञप्ति

03 अप्रैल 2025

अंतरात्मा की पुकार: अहिंसा, शांति, मानवता और नैतिक साहस के लिए एक आह्वान

विश्व के नेताओं, मीडिया के सदस्यों और वैश्विक नागरिकों के नाम,

मैं आपको किसी राष्ट्र, विचारधारा या संस्था के प्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे सह-मानव के रूप में लिख रहा हूँ जो इस दिशा को लेकर गहराई से चिंतित है, जिसे हम सामूहिक रूप से चुन रहे हैं।

ईरान और इज़राइल के बीच चल रहा संघर्ष केवल एक भू-राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय त्रासदी है। हर गिराया गया बम, हर दागी गई मिसाइल और हर प्रतिशोधात्मक कार्रवाई अपने साथ निर्दोष लोगों—बच्चों, परिवारों और समुदायों—की अपूरणीय क्षति लेकर आती है, जो उस हिंसा के चक्र में फँसे हैं जिसे उन्होंने न तो उत्पन्न किया और न ही इसके पात्र हैं।

तत्काल जीवन हानि के अतिरिक्त, हम घरों, बुनियादी ढांचे और पीढ़ियों से निर्मित आजीविकाओं के विनाश के साक्षी बन रहे हैं। हम क्षेत्रों को अस्थिर कर रहे हैं, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित कर रहे हैं और पहले से ही कमजोर वैश्विक अर्थव्यवस्था को और कमजोर कर रहे हैं। किंतु शायद सबसे गहरी क्षति वह है जो दिखाई नहीं देती—हमारी साझा मानवता का क्षरण।
इतिहास हमें बार-बार यह सिखाता रहा है कि हिंसा गहरे जड़ वाले संघर्षों का समाधान नहीं करती—बल्कि उन्हें और मजबूत करती है। घृणा सुरक्षा नहीं देती—यह भय को बढ़ाती है। प्रतिशोध न्याय नहीं लाता—यह पीड़ा को बढ़ाता है।

आज हम एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं।

हम या तो उसी परिचित मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं, जो अतीत की शिकायतों, राजनीतिक दबावों और अल्पकालिक गणनाओं से प्रेरित है, या हम एक अलग मार्ग चुन सकते हैं—जो साहस, बुद्धिमत्ता और नैतिक स्पष्टता द्वारा निर्देशित हो।
यह एक ऐसा क्षण है जो सर्वोच्च स्तर के नेतृत्व की मांग करता है।

हम विश्व नेताओं से आग्रह करते हैं कि वे संकीर्ण हितों और दलगत दबावों से ऊपर उठें। आइए हम विभाजन की राजनीति से आगे बढ़ें और उन सिद्धांतों को अपनाएं जिन्होंने मानवता के महानतम नैतिक आंदोलनों का मार्गदर्शन किया है—अहिंसा, सत्य, प्रेम, सम्मान, विविधता, समावेशन और जिम्मेदारी।

अहिंसा कमजोरी नहीं है—यह शक्ति और आत्म-नियंत्रण की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है।

प्रेम केवल भावना नहीं है—यह सह-अस्तित्व की नींव है।

समानता और विविधता केवल आदर्श नहीं हैं—वे एक स्थिर और न्यायपूर्ण विश्व के लिए अनिवार्य हैं।

हमें स्वयं से यह पूछना चाहिए: हम अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी दुनिया छोड़ रहे हैं?

क्या वह दुनिया अंतहीन संघर्ष, अभाव और भय से भरी होगी?

या वह दुनिया शांति, सहयोग, सतत विकास और साझा समृद्धि पर आधारित होगी?

www.globalgandhi.com
info@globalgandhi.com

निर्णय हमारा है

हम सभी से आह्वान करते हैं:

- विश्व नेता तत्काल युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को ईमानदारी और तत्परता के साथ आगे बढ़ाएं।
- मीडिया संस्थान सनसनीखेजता के बजाय सत्य, संदर्भ और मानवता को प्राथमिकता दें, ताकि विभाजन कम हो और समाज में संतुलन बना रहे।
- विश्व के नागरिक शांति के लिए अपनी आवाज उठाएं, घृणा को अस्वीकार करें और सत्ताधारियों से जवाबदेही की मांग करें।

आइए हम यह याद रखें कि हमारी साझा मानवता हमारी भिन्नताओं से कहीं अधिक बड़ी है। सीमाएं, धर्म और राजनीतिक व्यवस्थाएं हमें विभाजित कर सकती हैं, लेकिन हमारी आशाएं, भय और आकांक्षाएं सार्वभौमिक हैं।

इतिहास के इस महत्वपूर्ण क्षण पर हमें यह नहीं पूछना चाहिए:

“आज मेरे या मेरे राष्ट्र के लिए क्या लाभ है?”
बल्कि हमें यह पूछना चाहिए:

“कल मानवता के लिए क्या सही है?”
शांति कोई अमूर्त आदर्श नहीं है—यह एक व्यावहारिक आवश्यकता है।
और कार्य करने का समय अभी है।

आइए हम आवेग पर विवेक को चुनें।
विनाश पर संवाद को चुनें।

घृणा पर मानवता को चुनें।

हमारे बच्चों के लिए।

हमारे ग्रह के भविष्य के लिए।

समस्त जीवन की गरिमा के लिए।

आशा और दृढ़ विश्वास के साथ,

सैम पित्रोदा
अध्यक्ष, ग्लोबल गांधी

एक सह-मानव, जो सत्य, शांति और मानवता के प्रति प्रतिबद्ध है